संकुल स्तर पर अकादमिक चर्चाओं में सहयोग देने हेतु

चर्चा पत्र

माह- मार्च 2019

चतुर्थ वर्ष अंक-10

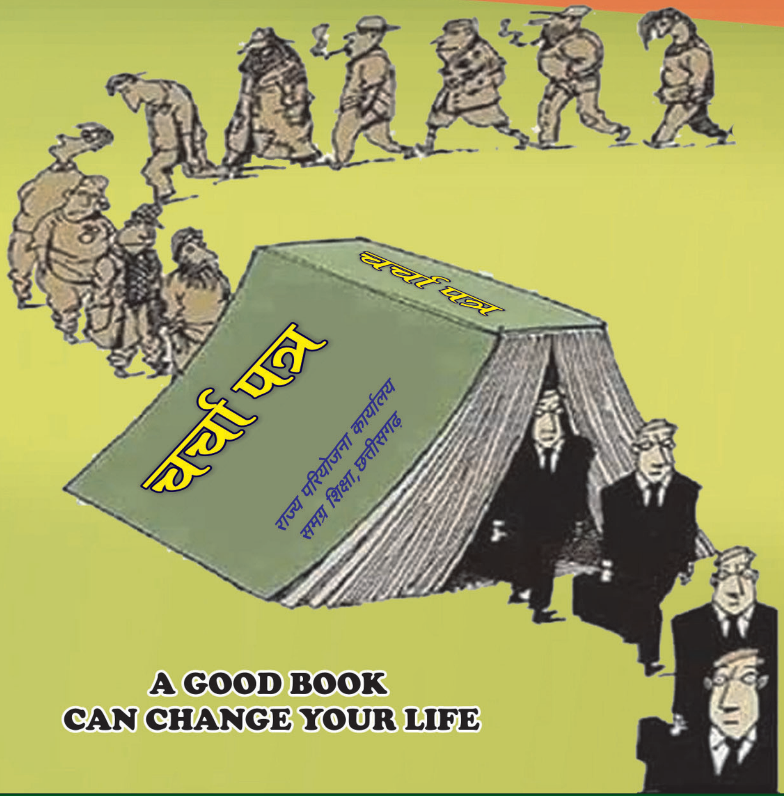

A GOOD BOOK CAN CHANGE YOUR LIFE

डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान

राज्य परियोजना कार्यालय
समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अपनों से अपनी बात

देखते देखते चर्चा पत्र का चौथा वर्ष भी अब पूरा हो गया | इन चार वर्षों में हमने प्रति माह पहली तारीख को आपको चर्चा पत्र आपके मोबाइल तक पहुँचाने का कार्य पूरी नियमितता एवं सफलतापूर्वक किया | इस कार्य में हमें आपका और बहुत से साथियों का सहयोग मिला | बिना किसी व्यय के हमने इस कार्य को शिक्षकों के सतत क्षमता विकास के उद्देश्य से जारी रखा | हमारे राज्य में इन चार वर्षों में चर्चा पत्र के माध्यम से क्या बदलाव आया, हमारे शिक्षक साथियों को इन पत्रों के माध्यम से क्या लाभ हुआ, यह जानना भी आवश्यक है | इस हेतु हमने विगत तीन दिनों से आप सभी के सुझाव आमंत्रित किए थे जिसे आपमें से बहुतों ने लिंक खोलकर उसमें अपने बहुमूल्य सुझाव दिए | आज तक प्राप्त ढेर सारे सुझावों में से हमने केवल कुछ का ही चयन किया है और इस बार नए लोगों के विचारों को सामने लाने का प्रयास किया है |

आपसे प्राप्त सुझावों से यह तो स्पष्ट है कि चर्चा पत्र को आपने इन चार वर्षों में बहुत पसंद किया है और उपयोगी माना है | इसके माध्यम से राज्य से सीधे आपको बहुत सी जानकारियाँ बिना किसी विलंब के मिलने लगी है और बच्चों की गुणवत्ता सुधार के लिए क्या क्या किया जाना चाहिए, इस पर बहुत से सुझाव नियमित रूप से मिलने लगे हैं | वहीं हमें भी हमार राज्य में सुदूर अंचलों में इतने वर्षों से अभाव में काम कर रहे, शाला के विकास के लिए अपना सब कुछ लगाने वाले, हमेशा कुछ नया सीखने का प्रयास करने वाले शिक्षकों की ढेर सारी कहानियां रोज सामने आने लगी है | हमारे बीच ऐसे शिक्षकों के होने से ही शिक्षा आगे बढ़ रही है | ऐसे और कुछ शिक्षक हमारे साथ हो लें तो हम बढ़िया मेहनत कर सरकारी स्कूलों की तस्वीर बदल सकते हैं | ऐसा करने से, आगे बढ़ने से अब हमें कोई रोक नहीं सकता | एक नई ऊर्जा का संचार हमारे शिक्षकों में दिखाई देने लगा है |

इस अंक में हम केवल कुछ लोगों के उदाहरण ही आपके साथ साझा कर पा रहे हैं | इन उदाहरणों को आपके साथ साझा करने का उद्देश्य यह है कि आप इन उदाहरणों से अपने आपको जोड़ सकें और कुछ नए उदाहरण पढ़कर उसे अपनी शाला में भी लागू कर सकें | आप सभी से अनुरोध है कि इन उदाहरणों को ध्यान से पढ़ें और इनमें से जो भी आपके स्तर पर अपनाने लायक हों उसे अवश्य अपनाए और अपने साथियों को भी चर्चा कर अपनाने हेतु प्रेरित करें |

अगले सत्र में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण में अपने पिछले स्तर से आगे बढ़ते हुए पूर्व की तुलना में बहुत बेहतर कर सकेंगे |बड़ी कक्षाओं के बच्चों की पुस्तकें आप पूर्व की कक्षाओं के बच्चों को देकर उनसे अभ्यास करवाएंगे | अगली कक्षा में जाने से पहले बच्चों को उस कक्षा के लर्निंग आउटकम को भी अच्छे से हासिल करवा लेंगे | इस बार ग्रीष्मावकाश में समर की कक्षाएं भी आयोजित कर बच्चों को सक्रिय रखने का प्रयास करने हेतु तत्पर रहेंगे | हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि सभी मिलकर राज्य में अच्छी शिक्षा के लिए मेहनत करेंगे और सरकारी स्कूलों में बच्चों की उपलब्धि में पहले से कहीं अधिक सुधार कर सकेंगे |

नाम एवं मोबाइल #	फोटो	पता	कार्य विवरण जो आप भी कर सकते हैं
रघुवंश मिश्रा 9406441270		यूपीएस टेंगामाडा, कोटा, बिलासपुर	मैं अपने संकुल का सक्रिय पीएलसी सदस्य हूँ और प्रत्येक आनलाइन **कोर्स** को पहले स्वयं कर बैठक में अन्य साथियों को बताता हूँ और उनसे आग्रह कर अधिक से अधिक लोगों को कोर्स में जोड़कर पठन सामग्री के बारे में चर्चा कर उन्हें अपनी अपनी शालाओं में लागू किए जाने का प्रयास करता हूँ |
बनारस यादव 7999350640		संकुल समन्वयक टटकेला, बगीचा, जशपुर	पठन कौशल पर प्राप्त जानकारी के आधार पर अपने संकुल में **बच्चों के पढने की गति की जानकारी** लेते हुए समझ के साथ बच्चों की पढने की गति में सुधार की दिशा में कार्य कर रहा हूँ और मेरी कोशिश रहेगी कि मेरे संकुल के सभी बच्चे अच्छी समझ के साथ तेज गति से पढ़ना सीख जाएं |
रिंकल बग्गा 9926819169		शासकीय प्राथमिक शाला धरमपुर, बागबाहरा महासमुंद	चर्चा पत्र के माध्यम से **दान महोत्सव** की जानकारी प्राप्त कर वैसा ही कार्यक्रम अपने गाँव में किया जिसकी वजह से समुदाय, पंच, सरपंच एवं अधिकारी सभी मिलकर शाला में बच्चों के उपयोग के लिए कम्प्युटर क्रय कर उपलब्ध कराएं हैं | दानोत्सव का आयोजन कर हम शाला के लिए आवश्यक संसाधन समुदाय से खुशी-खुशी प्राप्त करने में सक्षम हो रहे है और ऐसे बहुत से उदाहरण हमारे आसपास आ रहे हैं |
आशा उज्ञैनी 9098973701		शा. पूर्व मा शाला जांजी, मस्तुरी, बिलासपुर	मैं अपनी कक्षा किसी कहानी या प्रसंग से शुरू करती हूँ फिर अपने स्वयं के लेपटोप से उस बिंदु से संबंधित वीडियो दिखाकर बच्चों को समझाती हूँ | श्यामपट पर कार्य घर से ही करके लेकर आती हूँ ताकि **कक्षा में अधिक से अधिक समय बच्चों की पढाई के लिए** मिल सके | मेरी कक्षा के बच्चे सभी गतिविधियों में बहुत सक्रियता से शामिल होते हैं और मुझे उनके साथ सीखने-सिखाने में बहुत मजा आता है |
भूपेश चन्द्र पाण्डेय 7869481660		शा.पूर्व माध्य. शाला नागचुवा, कोटा, बिलासपुर	चर्चा पत्र में **"प्रतिदिन पांच मिनट की अकादमिक चर्चा"** से सीखते हुए हमने स्टाफ में लंच के दौरान बच्चों के बारे में, उनको किन मुद्दों पर ध्यान देना है और विषय के अध्यापन हेतु अकादमिक चर्चाओं को नियमित रूप से प्रारंभ किया है | वैसे तो पहले भी स्टाफ साथ में बैठते थे पर अकादमिक चर्चाएँ नहीं हो पाती थी | इस कार्य से हमने अपने और बच्चों के प्रदर्शन में सुधार किया है। साथ ही इसकी एक पंजी भी संधारित की गई है ।

बबीता मोटवानी 9407996174		शा.पूर्व माध्य. शाला, कोडेनार, बास्तानार , बस्तर	मुझे यहाँ आदिवासी बच्चों को सिखाने में दिक्कते आ रही थी | स्कूल की भाषा और बच्चों के घर की भाषा में अंतर होने से समझा पाना मुश्किल हो रहा था | ऐसे में चर्चा पत्र में **भाषा शिक्षण की श्रंखला** का अध्ययन करने के साथ–साथ जिले में एल.एल.ऍफ़. प्रशिक्षित सहायक परियोजना समन्वयक श्री गणेश तिवारी द्वारा समय समय पर भाषा शिक्षण में सुधार हेतु दी जा आ रही जानकारियों से बहुत समर्थन मिला |
चुमेश्वर काशी 7587367978		शासकीय प्राथमिक शाला, छिन्दगढ़, सुकमा	भाषा संगम की जानकारी चर्चा पत्र से प्राप्त होने के बाद हमने भारत की विभिन्न भाषाओं में बच्चों से चार–पांच वाक्य सीखकर बोलने का अवसर देने के लिए **प्रत्येक शनिवार को भाषा– संगम से सबंधित गतिविधियाँ** आयोजित करते हैं | ऐसा करने से बच्चों को विभिन्न भाषाओं की जानकारी मिलने लगी है और उन्हें अलग–अलग भाषाओं में बात करना बहुत ही अच्छा लगता है |
श्रीनिवास येलटा 9479229191		कन्या माध्यमिक आश्रम, रुद्रराम, भोपालपटनम , बीजापुर	भोपालपट्टनम के अधिकांश शिक्षकों को विभिन्न व्हात्सेप्प समूह में जोड़ने हेतु निरंतर प्रयासरत | सुदूर आदिवासी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षक **विभिन्न राज्यों के सहायक सामग्री निर्माण समूहों (whatsapp TLM Groups)** में जुड़कर शिक्षण के दौरान सहायक सामग्री निर्माण के गुर सीखकर अपनी अपनी शालाओं में बेहतर सहायक शिक्षण सामग्री का निर्माण कर पा रहे हैं | इन सहायक सामग्रियों का उपयोग कर शिक्षक रोज अपनी कक्षाओं में नई नई गतिविधियाँ करवा पा रहे हैं |
रीना दत्ता 9424283565		शा.पूर्व माध्य. शाला, धर्मपुर कोडेनार, तोकापाल , बस्तर	मैं अपने अध्यापन को सरल, सुगम्य और प्रभावी बनाने हेतु बच्चों से विभिन्न रोचक सहायक सामग्री का निर्माण निरन्तर करवाती हूँ | ऐसा करने से बच्चों को कक्षा में बहुत मजा आता है और बच्चे अपने अपने घर से बहुत सी सहायक सामग्री स्वयं और अपने पालकों के साथ मिलकर तैयार करते हैं | सहायक सामग्री तैयार करने में स्थानीय कारीगर भी सहायता करते हैं | इन सबसे **सीखने में सहयोग के लिए सामुदायिक सहभागिता** बहुत अच्छे से मिलने लगी है |
शिवांगी पशीने 7869897296		शास. प्राथमिक शाला, श्यामपुर, छुईखदान,	चर्चा पत्र से मुझे सामुदायिक सहभागिता लेने के विभिन्न तरीके समझ में आए | मैंने शाला समय के बाद समुदाय से घर घर जाकर संपर्क कर उनका विशवास जीता | शाला प्रबन्धन समिति की बैठक का आयोजन समुदाय की सहमति से उनके सुविधाजनक समय में करने का प्रयास किया | समुदाय को अतिथि के रूप में सम्मानित किया और उनके

		राजनांदगांव	विचारों को महत्व दिया | अब मेरी शाला की **शाला प्रबंधन समिति की बैठक में उपस्थिति 100%** रहती है |
रत्ना गुप्ता 8817317217		शास. प्राथमिक शाला, ठाकुरीकापा मुंगेली	बच्चों को पुस्तकें पढने में रूचि विकसित करने के तरीकों के बारे में चर्चा पत्र से समझ बनाकर मैंने अपनी शाला में मुस्कान पुस्तकालय को बहुत अच्छे से सजाया और उपलब्ध पुस्तकों को उसमें बहुत अच्छे से बच्चों की पहुंच में रखकर उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया | बच्चे अब **बड़ों से कहानी सुनकर स्थानीय कहानियाँ लिखकर** अपने अपने पुस्तकालय में रखने लगे हैं |
इन्द्रभान सिंह कंवर 9575190556		शासकीय प्राथ. शाला ककेड़ी, पथरिया, मुंगेली	बच्चों को कक्षा में रूचि लाने, उन्हें पाठों की समझ स्वयं बनाने एवं समूह में कार्य करते हुए नेतृत्व क्षमता प्रदान करने के उद्देश्य से मैं अपने हिन्दी एवं अंग्रेजी विषय के अध्यापन के दौरान कुछ पाठों को बच्चों को देते हुए उन्हें उसे **अभिनय के माध्यम से सिखाने के लिए प्रेरित** करता हूँ | अलग अलग पाठों को अलग अलग बच्चों के समूह स्वयं पढ़कर, उन पाठों के बारे में अतिरिक्त सामग्री का अध्ययन कर उन्हें नाटक के रूप में प्रस्तुत करते हैं जिससे उन्हें उन पाठों की समझ बेहतर और स्थाई बन जाती है |
ऋतु वर्मा 8963948424		शा. कन्या पू. मा. शाला हथबंद, सिमगा, बलौदाबाजार	चर्चा पत्र के माध्यम से **बच्चों के लर्निंग आउटकम के आधार पर ट्रेकिंग करने हेतु सरल और प्रभावी विद्यार्थी विकास सूचकांक टूल** की जानकारी मिली | मैंने इसे अपनी शाला में उपयोग करना प्रारंभ किया | इससे मुझे कितने बच्चे कितने लर्निंग आउटकम प्राप्त कर लिए हैं या नहीं किए हैं और उसके आधार पर समूह बनाने से लेकर बाहर से मानिटरिंग करने वाले अधिकारियों को एक झलक में बच्चों की स्थिति जानकार उनसे प्रश्न पूछने में आसानी हो जाती है |
जनक राम ध्रुव 8959974722		शा प्रा शाला धरमपुर,संकुल-तेंदुकोना, बागबाहरा, महासमुंद	मैंने चर्चा पत्र में हमारे राज्य के लिए गेडी नामक स्थानीय खेल को बढ़ावा देने हेतु सहयोग देने के बारे में पढ़ा | मुझे इस कार्य में पढ़कर रूचि हुई और फिर मैंने अपनी शाला के लिए गेडी का इंतजाम किया | समुदाय से ऐसे कार्यों में सहयोग लिया और **संकुल के अधिक से अधिक बच्चों को गेडी महोत्सव** में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सहयोग दिया | मेरा मानना है कि सभी शालाओं में समुदाय के सहयोग से गेडी लेकर बच्चों को उनका उपयोग और आपस में महोत्सव के रूप में इस खेल का आयोजन करना चाहिए |

दिलकश मधुकर 9977234838		शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय नवापारा कर्रा, पाली, कोरबा	चर्चा पत्र से टेक्नोलजी का उपयोग कर अपने कार्यों को स्मार्ट रूप से करने की दिशा में प्रेरित होकर बिना किसी विशेष प्रशिक्षण के मैंने **अपने स्कूल का वेबसाईट** और उसमें स्कूल से संबंधित सभी जानकारी सुरक्षित रखने का कार्य प्रारंभ किया हूँ | आनलाइन प्रश्नोत्तरी से लेकर ई-मैगजीन, **किल्लोल एवं चर्चा पत्र के सभी अंक मेरे वेबसाईट में** सभी के लिए उपलब्ध हैं | आप उन्हें डाऊनलोड कर सकते हैं | https://sites.google.com/view/navaparakarra/home
धीरज सिंह चंदेल 8319323026		प्राथमिक शाला मरकाटोला, गुरूर, बालोद	**बच्चों को स्वावलंबी बनाने, घर के कार्यों में सहयोग देने एवं समुदाय के माध्यम से बच्चों को शिक्षा में सहयोग देने** के बारे में चर्चा पत्र में दी जा रही नियमित जानकारियों से प्रेरित होकर मैंने समुदाय, शाला प्रबन्धन समिति, रसोइयों एवं स्थानीय व्यक्तियों के सहयोग से **बच्चों को धान की खेती सिखाने का काम** किया | शाला की बंजर पडी जमीन में अब हम धान की खेती बच्चों के सहयोग से करने लगे हैं |
नंदा देशमुख 8349056256		शा प्राथमिक शाला सिरसा खुर्द, दुर्ग	**शहरी झुग्गी झोपड़ियो में रहने वाले शाला से बाहर के बच्चे** जो भीख मांगकर सांपों का प्रदर्शन कर परिवार के साथ भटकते रहते थे, उनके घरों में लगातार संपर्क कर चौपाल का आयोजन कर उन्हें साफ़-सुथरा तैयार करवाकर शाला में प्रवेश दिलवाया | लगातार प्रयास के बाद अब निकट की बस्ती से 27 बच्चे नियमित स्कूल आते हैं |
निरंजन लाल पटेल 9754852425		शास. प्राथ. शाला लामीखार, धरमजयगढ़, रायगढ़	चर्चा पत्र के माध्यम से मुझे **अपने शाला के लिए मिशन स्टेटमेंट** कैसे बनाया जाता हैं उसकी जानकारी मिली | मैंने अपने स्टाफ और समुदाय के साथ मिलकर अपनी शाला के लिए लक्ष्य निर्धारित कर मिशन स्टेटमेंट बनाकर अपनी शाला की बाहरी दीवार में लगाया और ऐसा करने से हम सबको अपनी शाला को किस दिशा में लेकर जाना है और उसके लिए कैसे कार्य करना है, की जानकारी सदैव समक्ष रहती है और हम अपने मिशन स्टेटमेंट को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हैं |
प्रज्ञा सिंह 9424100833		शा. पूर्व. माध्यमिक शाला हनोदा, दुर्ग	मुझे गणित विषय को रोचक तरीके से पढ़ाने के बारे में पढ़कर और चर्चा पत्र के माध्यम से गणित मेले के आयोजन की जानकारी मिलने पर मैंने फोकस कर अपनी **शाला में गणित लैब** बनाकर बच्चों के मन से गणित के डर को दूर करने का प्रयास किया | मेरी शाला में दो सौ से अधिक सहायक सामग्री का निर्माण स्वयं के व्यय से किया है | मेरे शाला में अब

			बच्चे गणित विषय में बहुत अच्छे अंक प्राप्त करने लगे हैं | मेरी गणित लैब को देखकर वैसे ही लैब अब डाइट में और अन्य शालाओं में भी बनाया जाने लगा है |
प्रमिला कुशवाहा 7587150063		शा. प्रा.शाला भगवानपुर, सरगुजा	चर्चा पत्र में नियमित रूप से **शिक्षकों को अपने क्षमता विकसित करने विभिन्न आनलाइन कोर्सेस की जानकारी** दी जाती है | मैंने इनमें से बहुत से कोर्सेस को स्वयं किया है और अपने साथियों को भी अच्छे कोर्सेस को करने हेतु नियमित रूप से प्रेरित करती हूँ | मेरे द्वारा चर्चा पत्र से प्राप्त जानकारी के आधार पर दटीचरएप्प द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मैंने भाग लिया और उनके कोर्स से सीखी जानकारी के आधार पर कक्षा अध्यापन के दौरान पॉकेट बोर्ड का इस्तेमाल संबंधी वीडियो बनाकर भेजा जिसे वोट के आधार पर देश में प्रथम स्थान मिला और मुझे आगे और बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहन मिला |
प्रेमचंद साव 8720030700		शास.पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल, बसना, महासमुंद	चर्चा पत्र के माध्यम से मुझे शाला में **बच्चों के लिए बच्चों के द्वारा वाल मैगजीन** तैयार करने की जानकारी मिली | मेरी शाला में बच्चे स्वयं प्रतिमाह वाल मैगजीन तैयार करने, उसके नाम से लेकर उसको लगाने के लिए उपयुक्त स्थान, संपादक मंडल एवं आलेख संकलन आदि का पूरा काम बच्चे ही संभालते हैं | वाल मैगजीन के माध्यम से बच्चों के लेखन कौशल, पढ़ने में रूचि एवं रचनात्मकता में विकास हुआ है |
मुक्ता अग्रवाल 9406113521		शासकीय प्राथमिक शाला छाटापारा, बिलासपुर	चर्चा पत्र से **उबुन्तू नामक कहानी पढ़कर** मैंने अपने बच्चों को सुनाया और मुझे यह महसूस हुआ कि हम सबको एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए और मिलजुलकर रहना चाहिए | मैंने बच्चों को समूह में बांटकर एक दूसरे को पढाई में सहयोग देने के लिए इस कहानी से बह्च्चों को प्रेरित किया और अब वे एक दूसरे को पढाई में बेहतर तरीकों से सहयोग देने लगे हैं और मैं **अपनी कक्षा में सहयोगात्मक शिक्षण** बहुत अच्छे से करने लगे हैं |
राकेश कुमार कौशिक 9424164960		संकुल समन्वयक संकुल केंद्र– करतला, कोरबा	मैंने अपने संकुल में शिक्षकों को उनके विषय अनुसार आमंत्रित करना शुरु किया | उन्हें अपनी **कक्षा में पीछे छूट रहे बच्चों की पहचान कर एक माह के लिए लक्ष्य निर्धारित कर** प्रत्येक माह के लिए माइलस्टोन निर्धारित कर अपने कक्षा के अतिरिक्त समय देते हुए उन्हें अन्य बच्चों के समकक्ष तैयार करने के लिए ठोस योजना बनाकर मेहनत करने हेतु प्रेरित किया और बच्चों की उपलब्धि में हो रहे सुधारों पर नजर रखना प्रारंभ किया है |

राजा राम निराला 7898316284		संकुल संसाधन स्रोत केन्द्र थरगांव, कसडोल, बलौदाबाजार	संकुल की मासिक बैठकों में आगामी माह के लिए कठिन बिन्दुओं का चयन किया जाता है और उन कठिन बिन्दुओं को चयनित शिक्षकों को पहले से दिया जाता है | ये शिक्षक उन मुद्दों पर पहले से तैयारी करके आते हैं और आडियो-वीडियो का उपयोग कर प्रकरण को आसान और स्पष्ट करते हैं | ऐसा करने से सभी विषयों को समझाने का भार अकेले संकुल समन्वयक पर नही आता और मैं अपने साथी शिक्षकों विशेषकर **उच्च कक्षाओं के विषय विशेषज्ञों को मासिक बैठक में तैयारी कर पूर्व से एकत्रित अकादमिक समस्याओं के निवारण के लिए** प्रयास करते रहता हूँ |
राजेन्द्र सिंह ठाकुर 9009951800		शास. प्राथ. शाला पिपरिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव	मैंने चर्चा पत्र से **शिक्षकों के समूह बनाने के लिए सोशियल मीडिया के उपयोग** पर लगातार ध्यान देते हुए अपने विकासखंड की सभी शालाओं के कम से कम एक एक शिक्षक को विकासखंड के व्हाट्सएप्प ग्रुप में जोड़ने का प्रयास किया | अभी मैं अपने विकासखंड के सभी शिक्षकों को चर्चा पत्र में किए गए उल्लेख के अनुसार टेलीग्राम समग्र शिक्षा समूह में जोड़ने के लिए सतत प्रयत्नशील हूँ और बहुत जल्दी ही मैं अपने सभी शिक्षकों को इस ग्रुप में जोड़ने के प्रयास में सफल रहूंगा |
विजय लक्ष्मी राव 9425553327		शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अंडा, दुर्ग	राष्ट्रीय साधन सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा की तैयारी हेतु बच्चों को प्रतिदिन शाला समय से डेढ़ घंटा पहले अतिरिक्त कक्षा लगा कर एक माह तक अभ्यास कराया गया। ऐसा करने से हमारी शाला से बच्चों का चयन इसमें होने लगा | चर्चा पत्र के माध्यम से हमें **नवोदय कोचिंग एवं राष्ट्रीय साधन सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए हमें अपनी शाला के बच्चों की तैयारी** के लिए जिम्मेदारी का अहसास करवाया गया | हम सबको इस पर ध्यान देना चाहिए |
जयश्री कर्ष 9827962950		शास. प्राथ. शाला पीपरतराई, बिलासपुर	हमारी शाला के बच्चे कुछ माहों के लिए पलायन कर बाहर चले जाते थे और बाद में आकर अगली कक्षा में बैठ जाते थे | इससे उन्हें अगली कक्षा में सीखने में बहुत दिक्कतें आती थी | चर्चा पत्र में पलायन के पहले हमें यह जानकारी मिली कि समुदाय के साथ चर्चा कर बच्चों को **पलायन के दौरान बड़े-बुजुर्गों की देखरेख में छोड़ने से** उनका आगे पढाई में नुकसान नहीं होगा | हमने गाँव में ऐसे परिवार जो पलायन करते थे उनसे बच्चों के पढाई के नुकसान की जानकारी देकर उन्हें रोकने की समझाइश दी | कुछ बच्चे अब रुकने लगे हैं |

अभिषेक शुक्ला 8817393661		शास. पूर्व माध्यमिक शाला, भागवानटोला, राजनांदगांव	चर्चा पत्र के माध्यम से **विज्ञान विषय को रुचिकर बनाने एवं टेक्नोलोजी के उपयोग को बढ़ावा देने राष्ट्रीय आविष्कार के उद्देश्यों की पूर्ति** संबंधी प्रयासों में भागीदार बनने यू-ट्यूब में अपूर्व विज्ञान मेला के नाम से चैनल के माध्यम से लगातार सरल घरेलू प्रयोग, खेल खेल में विज्ञान, जादूटोना के राज, दोस्ती विज्ञान से, जगत से जुगाड़ जैसे कार्य सतत जारी हैं |
शैलेन्द्र सिंह 9479027671		जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान-डाईट, दंतेवाडा	डाईट दंतेवाडा में हम अपने जिले के संकुल समन्वयकों को चर्चा पत्र में उल्लिखित एजेंडा की जानकारी देते हुए उन्हें उन्मुखीकृत करते हैं और उनसे अपने अपने संकुलों में इन एजेंडा पर चर्चा कर शालाओं में किस प्रकार से परिवर्तन लाना है, की जानकारी देते हैं | **डाईट द्वारा चर्चा पत्र को आधार बनाकर संकुल समन्वयकों द्वारा आयोजित बैठकों की ट्रेकिंग** करने से शालाओं में प्रभाव पड़ता दिखाई देता है |
अरविन्द गुप्ता 9584841818		शास. प्राथ. शाला जामझरिया, संकुल पेंट, मैनपाट, सरगुजा	चर्चा पत्र से मुझे जापानी कक्षा शिक्षण की तकनीक और राज्य में सैकड़ों शिक्षकों द्वारा इसके उपयोग करते हुए अपने कक्षा शिक्षण को प्रभावी बनाने की जानकारी मिली | मैंने भी अपने स्कूल में **कमीशीबाई थियेटर बनाकर विभिन्न कहानियों, स्थानीय कहानियों सभी** को बच्चों को सुनाना शुरू किया | इससे पढने से बच्चों को खूब मजा आने लगा और मैं समुदाय को भी शासकीय योजनाओं की जानकारी देने कमीशीबाई थियेटर का उपयोग करने लगा हूँ |
लीना वर्मा 8959627666		शास. उच्च माध्यमिक विद्यालय, पचेडा, चंदखुरी, रायपुर	मैंने अपने चार साथियों के साथ मिलकर एक नटखट टोली बनाई थी और हम छुट्टियों के दिनों में आसपास के गाँवों में जाकर बच्चों के साथ खेलना और फिर पढाई से संबंधित गतिविधियाँ नियमित रूप से करते थे | इस संबंध में जानकारी मिलने पर हमारे कार्यों को चर्चा पत्र में जगह मिला | इससे न केवल हमें बल्कि हमारे साथियों को भी प्रेरणा मिली | राज्य में **चर्चा पत्र में शिक्षकों के कार्यों का उल्लेख होना** हम सब शिक्षकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है और अधिकांश शिक्षक अपने कार्यों का उल्लेख चर्चा पत्र में पाकर गौरवान्वित महसूस करते हैं |
सीमा चतुर्वेदी 8770391652		शास. पूर्व माध्यमिक शाला, स्याहीमुडी,	मुझे चर्चा पत्र से अपने आसपास के संसाधनों की पहचान करने एवं उनके सहयोग से शाला में सुधार के लिए सुझाव के आधार पर स्मार्ट काम करने की प्रेरणा मिली | उसके बाद मैंने **अपने आसपास के विभिन्न संसाधनों, लोगों को ढूंढकर शाला में सहयोग के लिए रिसोर्स मैपिंग** की |

		कटघोरा, कोरबा	अब मेरे बच्चे विभिन्न कार्यों के लिए केवल शिक्षक पर निर्भर नहीं रहते | बच्चे अपने आसपास के विशेषज्ञों से सीखकर विभिन्न प्रतियोगिताओं में हमेशा विजयी होकर लौटते हैं |
अर्चना शर्मा 7724002005		शास. प्राथ. शाला, मुद्दत, अकलतरा, जांजगीर-चांपा	चर्चा पत्र डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत विभिन्न गुणवत्ता सुधार संबंधी कार्यों की जानकारी देने के साथ साथ **माताओं के उन्मुखीकरण** की बात कही गयी थी | मैंने अपनी शाला में माताओं को बच्चों की पढाई, उपस्थिति, सफाई, गृहकार्य, खेल-कूद, प्रगति, मूल्यांकन आदि में सुधार हेतु शिक्षकों से नियमित संपर्क करने की परंपरा प्रारंभ की है |
ओम नारायण शर्मा 6260009705		शास. प्राथ. शाला, खट्टा, जिला महासमुंद	चर्चा पत्र में अक्सर इस बात का जिक्र होता है कि **किसी भी प्रशिक्षण या किसी कार्यक्रम का हमें सही-सही फीडबैक स्पष्ट रूप से देना चाहिए** | यदि हम सामने वाले को दुखी न करने के उद्देश्य से सभी प्रशिक्षण को अब तक का सबसे अच्छा प्रशिक्षण घोषित करते जाएंगे तो प्रशिक्षण देने वाले एवं लेने वाले दोनों को हम बहुत अधिक नुकसान पहुंचा रहे होंगे | इसलिए हमें किसी भी चीज का सही सही फीडबैक देना चाहिए ताकि निरंतर सुधार हो सके |
संतोष साहू		शाला प्रबन्धन समिति, बिरबिरा, आरंग, जिला रायपुर	गाँव में जब मैंने देखा कि बच्चे बढ़िया पढाई करते हैं, शिक्षक भी खूब मेहनत करते हैं और सभी अच्छे परिणाम लाने लगे हैं, मैंने उनसे पूछा कि तुम्हे स्कूल में क्या चाहिए | सभी ने पढने के लिए कहानी पुस्तकों की मांग की | तब मैंने अपने गाँव में लोगो के साथ मिलकर यह तय किया कि हम बच्चों को पढने के लिए कहानी पुस्तकों के सेट देंगे | मैं सभी से आह्वान करता हूँ कि अपने अपने **गाँव में किसी के जन्मदिन आदि पर बच्चों के लिए पुस्तकों, मैगजीन आदि को सबस्क्राइब करने की परंपरा** हमारे राज्य में शुरू करें | चर्चा पत्र में ऐसे सामग्री के लिए सूची दी जाती है |
रामसेवक गुप्ता 9826175091		सहायक कार्यक्रम समन्वयक प्रशिक्षण, समग्र शिक्षा,	मैंने राज्य में शाला सुरक्षा पर प्रशिक्षण लिया और इसके बारे में अधिक जानकारी चर्चा पत्र से प्राप्त की | अपने जिले में फायर ब्रिगेड से संपर्क कर आग लगने पर सुरक्षा के उपायों पर शिक्षकों को जानकारी दी और शालाओं में मोक ड्रिल करवाया | चर्चा पत्र से प्राप्त जानकारी के आधार पर **शिक्षकों को शाला सुरक्षा (School Safety) पर आनलाइन कोर्स**

सीमांचल त्रिपाठी 9926645266		शास. पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रुनियाडीह, सूरजपुर	मुझे चर्चा पत्र में महासमुंद जिले में शिक्षकों द्वारा अपने स्वयं के व्यय से मिलाकर एक शिक्षा सम्मेलन आयोजित करने की जानकारी मिली | मैं अपने विद्यालय में विगत कई वर्षों से कुछ न कुछ नवाचार करता रहता हूँ और बस्तामुक्त विद्यालय के सपने को वास्तविकता में बदलने में सफलता पाई है | मेरे बस्तामुक्त विद्यालय को बहुत से शिक्षक देखने की इच्छा व्यक्त करते रहते थे अतः मैंने राज्य भर में फैले अपने साथियों को अपनी शाला में आमंत्रित करते हुए एक राज्य स्तरीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया |
मनोज साहू 9685436336		शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला हिर्री धमधा ,दुर्ग	चर्चा पत्र में मैंने बेरला, बेमेतरा जिले के संकुल समन्वयक सुरेन्द्र पटेल,एवं श्री ओमप्रकाश साहू ,शिक्षक माध्य. शाला देवरी द्वारा लीडरशिप के आधार पर अपने **विकासखंड के सभी शालाओं को स्मार्ट शाला में बदलने** की जानकारी मिली | तब से मैंने भी अपने समुदाय के सहयोग से अपनी शाला में स्मार्ट कक्षा प्रारंभ करने का सपना देखा और उसे हासिल करने में सफल भी हुआ | चर्चा पत्र मुझे इतना अच्छा लगता है कि विगत कुछ वर्षों से मैं स्वयं इसकी डिजाइन से जुडा हुआ हूँ |
शिवचरण साहू 9406144111		उच्च प्रा.शा मडानार, कोंडागांव	मुझे चर्चा पत्र से स्कूल में खेल सिखाने की जानकारी मिली| मैंने **ग्रीष्मकाल में बालिकाओं को स्कूल से जोड़े रखने के लिए रोज बांस के डंडे से करतब दिखाना** सिखाया| इस खेल को **सिलंबम** या स्थानीय भाषा में अखाड़ा भी कहते हैं| बच्चियों से न केवल आत्मरक्षा के लिए इसे सीखा बल्कि मेरे विद्यालय से कुल तीस विद्यार्थियों को मैं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मुंगेली ले जाकर उन्हें प्रतियोगिता में पुरस्कार भी दिलवाया|
ऋषि पांडेय 9981305177		शासकीय प्राथमिक विद्यालय चरखुरा कला, कबीरधाम	चर्चा पत्र में चित्रों के माध्यम से समझाने के रोचक तरीकों को देखकर मुझे भी अपने कक्षा अध्यापन ने दौरान विभिन्न मुद्दों को सिखाने हेतु चित्रों का सहारा लेने का आइडिया आया| मैं अपनी कक्षा में विभिन्न मुद्दों पर बच्चों की समझ बनाने के लिए चित्रों का सहारा लेता हूँ| कक्षा के अलावा अतिरिक्त समय में बच्चों को चित्रकारी के लिए प्रेरित करता रहता हूँ| शिक्षकों को **अध्यापन कौशल में निखार लाने विभिन्न माध्यमों का उपयोग** करते रहना चाहिए|

अशफाक उल्लाह खान 9770385062		प्राथ. शाला बांसपारा, खडगंवा, कोरिया	चर्चा पत्र में शिक्षक प्रशिक्षण, मास्टर ट्रेनर्स के चयन प्रक्रिया एवं एक अच्छे मास्टर ट्रेनर्स में क्या क्या गुण होने चाहिए और उसके लिए एडेट्स के बिंदु आदि पर सुझाव पढ़कर मुझे हमेशा गुणवत्तायुक्त शिक्षक प्रशिक्षण के आयोजन में सहभागिता लेने की इच्छा रही। मैंने डाईट, कोरिया में लंबी अवधि के प्रशिक्षणों में मास्टर ट्रेनर्स के रूप में कार्य किया। **विभिन्न प्रशिक्षणों में मास्टर ट्रेनर्स को अपने स्वयं का क्षमता विकास** करते हुए निरंतर सुधार के लिए मेहनत करते रहनी चाहिए।
संजीव सूर्यवंशी 9669368870		शास्. पूर्व माध्य. शाला नन्दौरकला, सक्ती, जांजगीर-चांपा	मुझे शिक्षकों को एक दूसरे से सीखने एवं अपने ज्ञान को साझा करने हेतु चर्चा पत्र में दिए गए सुझाव प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी बहुत अच्छा लगा और मैंने स्वयं इस दिशा में काम करते हुए अपने साथियों के साथ मिलकर एक नवाचारी ग्रुप बनाया। आज की तिथि में हमारा ग्रुप सभी विकासखंडों में बहुत सक्रिय है और अन्य राज्यों के भी शिक्षक भी लगातार हमसे जुड़ कर कार्य कर रहे हैं। हमारे **प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी में लगभग 25 हजार शिक्षक जुड़े हैं** और प्रतिदिन जिलेवार नवाचारों को अनुशासित ढंग से पोस्ट किया जाता है।
गोपाल साहू 9893765167		शास. प्राथमिक शाला बिरकोनी, महासमुंद	मुझे चर्चा पत्र के माध्यम से एक शिक्षक के रूप में अपने स्वयं की क्षमता विकास का बहुत अच्छा अवसर मिला। मैंने चर्चा पत्र में सुझाए गए सभी प्रमुख कोर्सेस को स्वयं पूरा किया और अपने साथियों को भी पूरा करने हेतु प्रेरित किया। मैंने मिलियन स्पार्क फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में शामिल होकर राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने में सफलता हासिल की। **चर्चा पत्र के माध्यम से हमारे राज्य के शिक्षक एक दूसरे से इस प्रकार जुड़े हैं कि हम आपस में मिलकर चाहें तो किसी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सर्वोत्कृष्ट स्थान** प्राप्त कर सकते हैं।
कन्हैय्या साहू (कान्हा) 9826641443		प्राथ. शाला कानाकोट, पलारी, बलौदाबाजार	चर्चा पत्र के माध्यम से हम और हमारे सभी शिक्षक साथी प्रति माह कुछ न कुछ नया सीखते हैं और इसका प्रतिमाह हमें इन्तजार रहता है। माताओं के उन्मुखीकरण के माध्यम से समुदाय को हमने जोड़ने का प्रयास किया। चर्चा पत्र के अनुसार **सामुदायिक सहभागिता लेना हो तो सबसे पहले समुदाय का विश्वास हासिल कर** फिर कुछ उम्मीद करनी चाहिए। हम शिक्षकों की मेहनत एवं लगन को देखकर समुदाय हमारे साथ आया और अब शाला में बच्चों की पढाई में सहयोग के साथ-साथ चबूतरा निर्माण से लेकर विभिन्न कार्यों में सक्रिय सहयोग दे रहा हैं।